उत्तर

HINDI B

Class 10 - हिंदी ब

खंड क - अपठित बोध

1. 1. (क) समर्थ गुरु रामदास का जन्म 1608 ई. में एक छोटे से ग्राम में हुआ था।
   2. (घ) कथन (A) सही है किंतु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
   3. (ख) गुरु रामदास के बचपन का नाम नारायण था
   4. एक पटवारी की स्त्री को आशीर्वाद देकर उसके पति को जिंदा कर देने की घटना से गुरु रामदास का यश चारों ओर फैल गया।
   5. गुरु रामदास ने शिवाजी से शेरनी का दूध मँगाकर उनकी वीरता की परीक्षा ली।
2. 1. (घ) हृदय में छाई हुई पाप की रेखाओं के कारण लोगों का मन भयभीत है।
   2. (ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
   3. (ख) पृथ्वी लोक
   4. नचिकेता ने लोगों को अपने कर्मों के कारण मृत्यु से घबराते हुए देखा।
   5. नचिकेता अपने पिता की आज्ञा का पालन कर रहे थे। इसलिए यमराज के निवास की ओर जाते हुए वे आनंद का अनुभव कर रहे थे।

खंड ख - व्यावहारिक व्याकरण

3. i. मैदान की ओर गए हैं
   ii. संज्ञा पदबंध
   iii. बच्चों से कहा कि जबतक
   iv. संज्ञा पदबंध
   v. सुंदर और शक्तिशाली
4. i. बालक रो-रोकर चुप हो गया।
   ii. उसे फल खरीदने थे इसलिए बाज़ार गया।
   iii. वह वास्तव में बहुत धनी है परंतु उसमें कुछ भी अभिमान नहीं है।
   iv. जब आप द्वार पर बैठें तब उसकी प्रतीक्षा करें।
   v. सूर्योदय होने पर चिड़ियाँ चहचहाने लगीं।
5. i. आजन्म = जन्म से लेकर (अव्ययीभाव समास)
   ii. शताब्दी = सौ अब्दों का समूह / सौ वर्षों का समाहार (द्विगु समास)
   iii. सौ अब्दों का समूह = शताब्दी (सौ वर्षों का समूह) (द्विगु समास)
   iv. पल्लव के समान अधर = अधर-पल्लव (उपमेय- उपमान) (कर्मधारय समास)
   v. जीती गई इन्द्रियां हैं जिसके द्वारा = जितेंद्रिय (जीत ली हैं इंद्रियाँ जिसने) (बहुब्रीहि समास)
6. i. रंगे हाथ पकड़ना - चोर को चोरी करते हुए पुलिस ने रंगे हाथ पकड़ लिया।
   ii. बीड़ा उठाना - उसने अपने देश की आज़ादी के लिए अपना जीवन बलिदान करने का बीड़ा उठाया।
   iii. बाएँ हाथ का खेल - क्रिकेट मैच खेलना तो रमेश के बाएँ हाथ का खेल था।
   iv. जान बख्श देना - उसने अपने दुश्मन की जान बख़्श दी।
   v. मुँह की खाना - जो व्यक्ति अनुचित कार्य करता है, उसे कभी-न-कभी मुँह की खानी पड़ती है।

खंड ग - गद्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

क्रोध में उसने तलवार निकाली और कुछ विचार करता रहा। क्रोध लगातार अग्नि की तरह बढ़ रहा था। लोग सहम उठे। एक सन्नाटा-सा खिंच गया। जब कोई राह न सूझी तो क्रोध का शमन करने के लिए उसमें शक्ति भर उसे धरती में घोंप दिया और ताकत से उसे खींचने लगा। वह पसीने से नहा उठा। सब घबराए हुए थे। वह तलवार को अपनी ओर खींचते-खींचते दूर तक पहुँच गया। वह हाँफ रहा था। अचानक जहाँ तक लकीर खिंच गई थी, वहाँ एक दरार होने लगी। मानो धरती दो टुकड़ों में बँटने लगी हो। एक गड़गड़ाहट-सी गूँजने लगी और लकीर की सीध में धरती फटती ही जा रही थी। द्वीप के अंतिम सिरे तक तताँरा धरती को मानो क्रोध में काटता जा रहा था। सभी भयाकुल हो उठे। लोगों ने ऐसे दृश्य की कल्पना न की थी, वे सिहर उठे।

(i) **(क)** लीलाधर मंडलोई-तताँरा-वामीरो कथा
व्याख्या:
लीलाधर मंडलोई-तताँरा-वामीरो कथा

(ii) **(ग)** तलवार निकाली और कुछ विचार करता रहा और तलवार को धरती में घोंप दिया
व्याख्या:
तलवार निकाली और कुछ विचार करता रहा और तलवार को धरती में घोंप दिया

SATISH SCIENCE ACADEMY

(iii) **(क)** कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।
व्याख्या: कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या करता है।

(iv) **(ख)** तताँरा के क्रोध को देखकर और फटती हुई धरती को देखकर
व्याख्या:
तताँरा के क्रोध को देखकर और फटती हुई धरती को देखकर

(v) **(घ)** तताँरा द्वारा तलवार से धरती पर लंबी रेखा खींचना
व्याख्या:
तताँरा द्वारा तलवार से धरती पर लंबी रेखा खींचना

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:
(i) प्राकृतिक संतुलन बनाए रखने के लिए हम निम्नलिखित कार्य कर सकते हैं:
i. वृक्षों को नहीं काटना चाहिए और समय-समय पर नए वृक्ष लगाते रहना चाहिए ।
ii. प्राकृतिक कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए ।
iii. अपने आसपास के वातावरण को साफ और स्वच्छ रखना चाहिए

(ii) जापान देश का आम आदमी निरर्थक बोलता है क्योंकि वह काम की अधिकता के कारण तनावग्रस्त रहता है। उसने अपने जीवन की रफ्तार बढ़ा ली है। वहाँ के आदमी के पास समय का अभाव है।

(iii)अपने अपमान के बदले और अंग्रेजों के प्रति गुस्से के लिए वजीर अली ने कंपनी के वकील की हत्या कर दी। वकील की हत्या के बाद वो वहाँ से आजमगढ़ पहुँच गया और वहाँ के शासक की मदद से वजीर अली घाघरा के जंगलों में पहुँच गया।

(iv)बड़े भाई साहब के असफ़ल होने के बाद भी छोटे भाई को डाँटते-फटकारते उसके खेलने जाने पर रोक लगाते हैं और उसे उम्र का तजुर्बा और घरवालों की नसीहत देते हैं। वे समझाते हैं कि खेल भविष्य के लिए लाभकारी नहीं होता है और इससे कुछ हासिल नहीं होगा। छोटे भाई इन सभी कारणों से बचने के लिए बड़े भाई की नज़रों से छुपकर खेलता था।

खंड ग - काव्य खंड (पाठ्यपुस्तक)

9. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
सुखिया सब संसार है खाए अरु सोवै।
दुखिया दास कबीर है जागे अरु रोवै।।
निंदक नेड़ा राखिये, आँगणि कुटी बँधाइ।
बिन साबण पाँणीं बिना, निरमल करै सुभाइ।।
पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोइ।
एकै अषिर पीव का, पढ़ै सु पंडित होइ।।

(i) **(घ)** हमारा स्वभाव निर्मल करता है
व्याख्या: हमारा स्वभाव निर्मल करता है

(ii) **(ग)** पोथी पढ़ने वाला
व्याख्या: पोथी पढ़ने वाला

(iii) **(क)** कबीर
व्याख्या: कबीर

(iv) **(ख)** निंदा करने वाला
व्याख्या:
निंदा करने वाला

(v) **(ख)** (i), (ii), (iv)
व्याख्या:
निंदक को हमेशा अपने पास रखना चाहिए। साबुन का प्रयोग एक प्रतीक के रूप में हुआ है।

10. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में दीजिए:
(i) पहले पद में मीरा ने श्री कृष्ण से अपनी पीड़ा हरने की विनती इस प्रकार की है कि हे ईश्वर! जैसे आपने द्रौपदी की लाज रखी थी, गजराज को मगरमच्छ रूपी मृत्यु के मुख से बचाया था तथा भक्त प्रल्हाद की रक्षा करने के लिए ही आपने नृसिंह अवतार लिया था, उसी तरह मुझे भी सांसारिक संतापों से मुक्ति दिलाते हुए अपने चरणों में जगह दीजिए।

(ii) प्रस्तुत पंक्तियां तोप कविता से ली गई हैं। इन पंक्तियों के माध्यम से कवि कहना चाहते हैं कि कोई समस्या चाहे कितनी भी बड़ी क्यों ना हो, एक दिन उसका समाधान हो ही जाता है। जो भी अत्याचारी और विनाशकारी चीज है उनका अंत निश्चित है, जैसा कि तोप के साथ हुआ। जो तोप एक जमाने में निडर और खतरनाक होती थी, आज उस पर चिड़ियाँ निर्भीक होकर बैठती हैं और खेलती हैं ।

(iii)'ज़िन्दा रहने के मौसम बहुत हैं मगर जान देने की रुत रोज़ आती नहीं' पंक्ति के माध्यम से कवि देशवासियों को देशभक्ति और बलिदान का संदेश देना चाहते हैं। कवि का कहना है कि जीवन जीने के लिए कई अवसर मिलते हैं, लेकिन देश के लिए जान देने का अवसर हर बार नहीं मिलता। यह पंक्ति हमें याद दिलाती है कि देश के लिए बलिदान देना एक महान कार्य है और हमें इसे गर्व के साथ करना चाहिए। कवि देशवासियों से

SATISH SCIENCE ACADEMY

आह्वान करते हैं कि वे देश के प्रति समर्पित रहें और जब भी आवश्यकता हो, देश के लिए अपना सर्वस्व अर्पण करने के लिए तैयार रहें। इस पंक्ति का संदेश आज भी प्रासंगिक है, क्योंकि देश की रक्षा के लिए हमेशा वीरों की आवश्यकता होती है।

(iv) विपदाओं से मुझे बचाओ, यह मेरी प्रार्थना नहीं पंक्ति द्वारा रवींद्रनाथ ठाकुर कहना चाहते हैं कि वह ईश्वर से अपनी विपदाओं को दूर करने के लिए नहीं कहते बल्कि स्वयं अपनी विपदाओं का सामना कर उन पर विजय प्राप्त करना चाहता है क्योंकि वह अपने संघर्षो को स्वयं जीना चाहता है। कवि अपने सामर्थ्य एवं आत्मबल से अपनी विपदाओं का सामना स्वयं करना चाहता है।

खंड ग - संचयन (पूरक पाठ्यपुस्तक)

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में दीजिए:

(i) हरिहर काका के प्रति लेखक मिथिलेश्वर की चिंता का कारण जायदाद के लालच में उनके भाइयों तथा महंत जैसे लोगों द्वारा उनके साथ दुर्व्यवहार करना था। हरिहर काका एक निःसंतान वृद्ध व्यक्ति हैं, वैसे उनका भरा-पूरा संयुक्त परिवार है। परिवार के सदस्यों को लगता है कि ये अपनी जमीन महंत के नाम न कर दें इसलिए वे उनकी सेवा करने लगते हैं परन्तु ज़मीन किसी के नाम न करने की उनकी घोषणा को सुनकर वे उनके साथ क्रूरतापूर्ण व्यवहार करने लगते हैं और महंत जबरन अंगूठे का निशान लगवा लेता है परन्तु वे उसके खिलाफ मुकदमा कर देते हैं। इस परिस्थिति में लेखक ने सक्रिय होकर उनके लिए कुछ नहीं किया जबकि हरिहर काका ने लेखक को बचपन में प्यार-दुलार दिया था और लेखक ने भी उन्हें मित्रवत प्यार दिया था। हरिहर काका को इस स्थिति से उबारने के लिए लेखक को सामाजिक रूप से व कानूनी रूप से हर संभव प्रयास करते हुए उन्हें अवसाद की स्थिति से निकालना चाहिए था।

(ii) "सपनों के-से दिन" पाठ के अनुसार, तब के स्कूली बच्चों के पहनावे में साधापन और पारंपरिकता थी। लड़के आमतौर पर कुर्ता और पैंट पहनते थे, जबकि लड़कियाँ साड़ी या सलवार-कुर्ता पहनती थीं। उनके खेल-कूद में भी सरलता थी; वे खुली जगहों पर खेलते थे, जैसे कि गिल्ली-डंडा, कंचे, और काबड्डी।

आज के स्कूली बच्चों के पहनावे में अधिक आधुनिकता और फैशन का समावेश है। वे जींस, टी-शर्ट और खेल के कपड़े पहनते हैं। खेल-कूद की गतिविधियाँ भी बदल गई हैं, अब बच्चे क्रिकेट, फुटबॉल और वीडियो गेम्स में रुचि रखते हैं।

यदि दोनों में तुलना की जाए, तो मैं तब के बच्चों के पहनावे और खेल-कूद को अधिक अच्छा मानता हूँ। इसका कारण यह है कि तब के पहनावे में सहजता और पारंपरिकता थी, जो बच्चों को एकता और भारतीय संस्कृति से जोड़ती थी। खेलों में भी शारीरिक सक्रियता अधिक थी, जो स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होती थी।

हालांकि, आज के बच्चों का पहनावा और खेल-कूद आधुनिकता और विविधता को दर्शाता है, लेकिन इसमें कभी-कभी स्वास्थ्य और सामाजिक संबंधों की कमी होती है। इसलिए, एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए, जिसमें पारंपरिकता और आधुनिकता दोनों का समावेश हो।

(iii) बुद्धिमान होते हुए भी टोपी नवीं कक्षा में दो बार फेल हो गया था। इसके दो कारण थे पहले साल तो वह पढ़ ही नहीं पाया क्योंकि घर के सदस्य उससे अपने-अपने काम करवाते थे जिस कारण उसे पढ़ने का समय ही न मिल पाता था। दूसरे साल उसे टाइफाइड हो गया इस कारण वह पास न हो पाया था। वह अकेला पड़ गया था क्योंकि उसके दोस्त दसवीं कक्षा में थे और इसमें उसका कोई नया दोस्त नहीं बन पाया। वह शर्म के कारण किसी के साथ अपने दिल की बात न कर पाता था और अध्यापकों की हँसी का पात्र होता था क्योंकि कक्षा में आने पर अध्यापक कमज़ोर लड़कों के रूप में उसका उदाहरण देते और उसे अपमानित करते हुए व्यंग्य करते थे। कक्षा के छात्र भी उसका मज़ाक उड़ाते थे। टोपी के भावनात्मक परेशानियों को मद्देनज़र रखते हुए शिक्षा व्यवस्था में कुछ आवश्यक बदलावों की आवश्यकता है। किसी भी छात्र को एक ही कक्षा में दो बार फेल नहीं करना चाहिए दूसरी बार उसे अगली कक्षा में बैठा देना चाहिए। छात्र जिस विषय में पास न हो रहा हो उसे उससे हटा दिया जाए। विषय चुनाव की छूट मिलनी चाहिए। बच्चों को अंकों के आधार पर नहीं अपितु ग्रेड के आधार पर अगली कक्षा में भेज देना चाहिए ताकि वह अपनी । स्थिति पहचान कर मेहनत कर सके। अध्यापकों को कड़ा निर्देश देना चाहिए कि कक्षा में फेल होने वाले छात्रों को अपमानित न कर उनका हौसला बढ़ाते हुए उनकी मदद करें।

खंड घ - रचनात्मक लेखन

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिये:

(i) जब कुछ लोग अपनी माँगों को मनवाने के लिए आतंकी गतिविधियों का सहारा लेते हैं तब उसे **आतंकवाद** कहा जाता है। आतंकवाद भय उत्पन्न करने की प्रक्रिया है।

आतंक के प्रसार के कारण- यह एक प्रकार का उन्माद तो है ही साथ ही दूसरों की बर्बादी का प्रयास भी है। पाकिस्तान आतंकवाद का जनक है, पोषक है। वहीं से यह आतंकवाद विकसित होता है। वह लोग हिंसक होते हैं। आजादी के बाद देश में अनेक आतंकवादी संगठनों द्वारा आतंकवादी हिंसा का प्रचार-प्रसार किया गया है।

भारत और विश्व में आतंकवाद- आज हमारा देश ही नहीं वरन् सारा विश्व आतंकवाद की छाया में साँस ले रहा है। असम के बोडो आतंकवादी अनेक बार हिंसक घटनाओं को अंजाम दे चुके हैं। कश्मीर घाटी में आतंकी गतिविधियाँ जोरों पर है। 13 दिसम्बर 2001 में भारत के संसद भवन पर आतंकियों द्वारा हमला किया गया। 11 सितम्बर 2001 में अमेरिका के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर भी हमला हुआ। इस तरह पूरा संसार आतंकवाद की चपेट में आया हुआ है।

निदान के उपाय- इस समस्या का वास्तविक हल ढूँढने के लिए सर्वप्रथम सरकार को अपनी गुप्तचर एजेंसियों को सशक्त और विशेष सक्रिय बनाना चाहिए। सीमा पार से प्रशिक्षित आतंकवादियों व हथियारों के आने पर कड़ी चौकसी रखनी होगी। लोगों को गुमराह होने से रोकना होगा व विश्वास की भावना जगानी होगी। इसके साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी मिलकर प्रयास करने होंगे। संविधान के तहत पारस्परिक विचार-विमर्श से सिक्खों, कश्मीरियों व असमियों की माँगों का न्यायोचित समाधान भी ढूँढना होगा।

(ii) हमारे मानव जीवन में बड़े-बुजुर्गों के प्रति आदर, श्रद्धा और स्नेह भावनाओं का बड़ा महत्व है। बड़े-बुज़ुर्ग लोग हमारे जीवनदाता और हमारे सुखमय जीवन के मूल स्तंभ हैं। खासकर हमारी अमूल्य भारतीय संस्कृति हमें सुसंस्कार सिखाती है। बड़े-बुज़ुर्ग लोग अनेक कष्ट-सुख झेलकर हमें सुखी जीवन बिताने के योग्य बनाते हैं। वे बड़े अनुभवी और कर्तव्य परायण होते हैं। ऐसे महत्वपूर्ण बड़े बुजुर्गों का ख्याल रखना, आदर देते उनकी सेवा करना हमारा धर्म और कर्तव्य है। वे हमारे जीवन के मार्गदर्शक हैं।

SATISH SINGH ACADEMY

वृद्ध लोग जीवन के बारे में समान चिंताएं साझा करते हैं और उनके पास समस्याओं से निकलने के लिए अनुभव और ज्ञान हमसे अधिक होता है। उनके पास अपने अनुभवों से उपयोगी जानकारी होगी, जो हमारे काम आ सकती है। वृद्ध परिवार की नींव होते हैं। यदि नींव की ही उचित देखभाल नहीं होगी तो उस पर खड़ा होने वाला परिवार निश्चित रूप से कमज़ोर होगा। अगर हम जैसे आम लोग अपने बुजुर्गों को बोझ समझना बंद कर दें और उन्हें वह सम्मान और महत्व देना शुरू कर दें जिसके वे हकदार हैं, तो हम समझ जाएंगे कि वे हमारे लिए बोझ नहीं बल्कि एक वरदान हैं। हमें उनके साथ कुछ समय बिताने की कोशिश करनी चाहिए और उन्हें खुश करने की कोशिश करनी चाहिए।

बच्चों को अपने दादा-दादी के साथ कुछ समय बिताना चाहिए जिससे बुजुर्ग खुश होंगे और बच्चे उनसे नैतिक मूल्य सीखेंगे जो उनके जीवन भर काम आने वाला एक मूल्यवान उपहार होगा। हमारी तरफ से बस कुछ छोटे कदम बुजुर्गों को खुश और वांछित महसूस कराएंगे।

(iii) **हरित ऊर्जा: सुरक्षित**

भूमिका: हरित ऊर्जा का उपयोग आज के समय में अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। यह पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के विकल्प के रूप में उभरी है और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में सहायक है।

अर्थ: हरित ऊर्जा उन ऊर्जा स्रोतों को संदर्भित करती है जो पर्यावरण के लिए हानिकारक नहीं हैं। इसमें सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल ऊर्जा और बायोमास ऊर्जा शामिल हैं। ये ऊर्जा स्रोत प्राकृतिक रूप से पुनः उत्पन्न होते हैं और इनका उपयोग पर्यावरण को नुकसान पहुँचाए बिना किया जा सकता है।

प्रभाव: हरित ऊर्जा के उपयोग से वायु और जल प्रदूषण में कमी आती है। यह ग्रीनहाउस गैसों के उतर्सर्जन को कम करती है, जिससे जलवायु परिवर्तन की गति धीमी होती है। इसके अलावा, यह ऊर्जा सुरक्षा को भी बढ़ावा देती है, क्योंकि यह स्रोत स्थानीय होते हैं और इनकी उपलब्धता निरंतर रहती है।

समस्याएँ: हरित ऊर्जा के कुछ मुद्दे भी हैं, जैसे कि उच्च प्रारंभिक लागत और प्रौद्योगिकी की कमी। सौर और पवन ऊर्जा की निर्भरता मौसम पर भी होती है, जिससे उनकी स्थिरता प्रभावित हो सकती है।

समाधान: इन समस्याओं के समाधान के लिए, सरकारों को निवेश और अनुसंधान में बढ़ावा देना चाहिए। साथ ही, ऊर्जा संरक्षण और हरित ऊर्जा की तकनीकों की उपलब्धता को बढ़ाना आवश्यक है। सार्वजनिक जागरूकता और सरकारी समर्थन से हरित ऊर्जा का उपयोग बढ़ाया जा सकता है, जिससे एक सुरक्षित और स्वच्छ भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है।

13. सेवा में,

संपादक महोदय,
दैनिक हिन्दुस्तान,
नई दिल्ली।
दिनांक 15 जुलाई 20....

विषय - 'स्वच्छ भारत-स्वस्थ भारत' अभियान के संदर्भ में।

महोदय,

में गोविन्द पुरी कॉलोनी की निवासी हूँ। में आपके प्रतिष्ठित दैनिक समाचार-पत्र के माध्यम से ध्यान दिलाना चाहती हूँ कि हमारे प्रधानमंत्री द्वारा स्वच्छता-अभियान का असर हमारे आस-पड़ोस में दिखाई देने लगा है। सभी लोग सफाई का विशेष ध्यान रखते हैं। वहाँ नगर-निगम का कूड़ेदान रखा हुआ है। सभी लोग उसमें कूड़ा-कचरा डालते हैं तथा साफ-सफाई भी बहुत रखते हैं तथा इस अभियान में सभी लोग शामिल होने लगे हैं जिससे हमारे यहाँ का वातावरण भी स्वच्छ हो गया है।

अतः आपसे अनुरोध है कि कृपया हमारी कॉलोनी में आकर लोगों को प्रोत्साहित करने की कृपा करें।

भवदीय,
विनोद
गोविन्द पुरी कॉलोनी
नई दिल्ली

अथवा

सेवा में,
खाद्य मंत्री,
राजस्थान सरकार, जयपुर

विषय-खाद्य पदार्थों में होने वाली मिलावट संबंधी गतिविधियों के संदर्भ में

महोदय,

आप भली-भांति जानते है कि त्योहारों का मौसम आ पहुंचा है जिसमें खाद्य पदार्थों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। इस समय बाजार में खाद्य पदार्थों की माँग बहुत बढ़ जाती है और उनकी पूर्ति करने के लिए मिलावट करने वालो का धंधा भी ज़ोर पकड़ने लगता है जिससे ग्राहक बहुत परेशान होते हैं।

आपको सूचित करते हुए बड़ा खेद हो रहा है कि आजकल हमारे शहर जयपुर में खाद्य पदार्थों में मिलावट का धंधा बड़े जोरों पर चल रहा है। लोग घी में खूब मिलावट कर रहे हैं। अभी-अभी छापा मारकर 600 मिलावटी घी की टीनें पकड़ी गई हैं। मसालों में भी खूब मिलावट हो रही है, मिठाई में खोया-मिलावट वाला ही डाला जाता है जो स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक है। दूध में दूधिया सिथेंटिक दूध मिला दिया जाता हैं | इन सभी कारणों से शहर का जन जीवन बीमारियों से घिरता जा रहा है। कोई भी खाद्य-पदार्थ मिलावट के अवैध कारोबार से अछूता नहीं है।

इस पत्र के माध्यम से मैं अनुरोध करना चाहता हूँ कि आप सम्बन्धित विभागीय कर्मचारियों को सचेत करें जिससे वे जगह-जगह छापामार कार्यवाही हो और दोषी लोगों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए ताकि जनजीवन विभिन्न बीमारियों से सुरक्षित हो सके। आपकी अति कृपा होगी।

भवदीय
किशन लाल

SATISH SCIENCE ACADEMY

करुणा धाम विकास समिति
जयपुर
दिनांक : 17 जनवरी, 2019

14.

दिल्ली पब्लिक विद्यालय, साधनगर, दिल्ली
फुटबॉल खेलना सीखने के संदर्भ में

दिनांक-

सभी विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि विद्यालय की छुट्टी के उपरांत विद्यालय के मैदान में फुटबॉल सीखने की विशेष कक्षाएँ आयोजित की जायेंगी। इच्छुक विद्यार्थी कल तक अपना नामांकन खेल सचिव के पास लिखना दें।

कमलेश गुप्ता
(खेल सचिव)

अथवा

डीएवी पब्लिक स्कूल, गांधीनगर, रायपुर

सूचना

8 जून, 2024

आपदा प्रबंधन कार्यशाला का आयोजन

9वीं से 12वीं तक के सभी छात्रों को सूचित किया जाता है कि आपदा प्रबंधन की ओर से हमारे विद्यालय में एक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें आपदा प्रबंधन से संबंधित आवश्यक जानकारियाँ साझा की जाएगी। यह कार्यशाला दिनांक - 12 जून, 2024, समय - शाम 5 बजे, स्थान - विद्यालय परिसर में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी के लिए आप अपने कक्षा शिक्षक से सम्पर्क करें।

अतः आप सभी विद्यार्थियों से अनुरोध है कि इस कार्यशाला में उपस्थित होकर आपदा प्रबंधन की जानकारी लें और इस आयोजन को सफल बनाएं।

धन्यवाद
सचिव
छात्र कल्याण परिषद्

15.

विज्ञापन

लाल बाग में पुष्प-प्रदर्शनी
फूलों की सुंदर प्रदर्शनी में आपका स्वागत है।

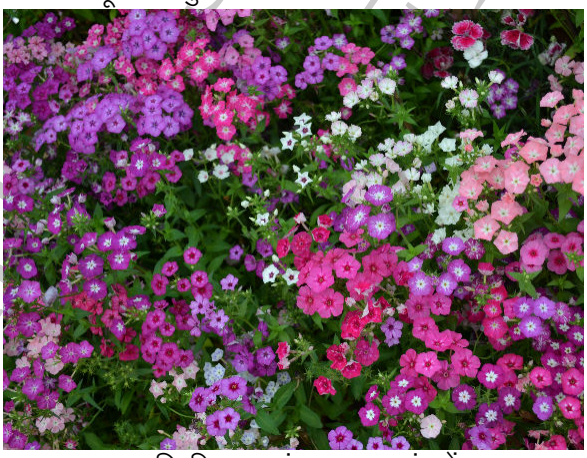

प्रकृति की अद्भुत सुंदरता का आनंद लें।
आकर्षक पुष्प सज्जा, दुर्लभ फूल और रोमांचक गतिविधियों का आनंद लें।
परिवार और मित्रों के साथ आइए।

दिनाँक- 20 जून, 2024 को समय- सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक।
स्थान- लाल बाग, बेंगलुरु।

अथवा

आओ मिलकर वृक्ष लगाएँ, जीवन को खुशहाल बनाएँ
पर्यावरण संरक्षण करके, धरती माँ की गोद सजाएं।

SATISCIENCE

आओ लें
एक सबत्प
पर्यावरण संरक्षण का
प्रकृति से प्रेम करें जल बचाएँ वृक्ष लगाएँ
स्वच्छ एवं सुरक्षित रहे हमारा पर्यावरण यह संकल्प लें।

16. प्रेषक (From) - xyz@gmail.com
प्रेषकर्ता (To) - abc@gmail.com
विषय: मुहल्ले में जल-भराव की समस्या को दूर करने हेतु।
मान्यवर,
मैं कमलदीप / पूनम, [मुहल्ले का नाम] का निवासी/निवासिनी हूँ। हमारे मुहल्ले में बरसात के बाद जल-भराव की गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाती है, जिससे हमें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। जल-भराव के कारण गंदगी और बीमारियाँ फैल रही हैं। कृपया इस समस्या का समाधान शीघ्र कराने की कृपा करें, ताकि हम स्वस्थ और स्वच्छ वातावरण में रह सकें।
धन्यवाद।
भवदीय
कमलदीप / पूनम

अथवा

यदि मैं समाचार पत्र होता तो सुबह उठते ही लोग मेरे आने के इंतजार में उत्सुकता से मेरी प्रतीक्षा करते। चाय की चुस्कियों के साथ मेरी एक-एक खबर पर नज़र दौड़ाते तो बच्चे खेल की रोचक जानकारी, 'बच्चों का कोना' पर महिलाएँ मुझमें दी गई व्यजनों की रैसिपी को जानने को बेताब दिखती। सबका प्यारा और लाड़ला मैं एक हाथ से दूसरे हाथ में घूमता। सबका प्यार पा में स्वयं को गौरवान्वित महसूस करता। लेकिन दिन ढलने के साथ ही सब प्यार भी खत्म हो जाता और मुझे रद्दी की टोकरी में डाल दिया जाता जो कि मुझे बिल्कुल न सुहाता। यदि मैं समाचार पत्र होता तो सरकार द्वारा चलायी जा रही जनकल्याण योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुँचानें का जरिया बनता तथा उनमें होने वाले भ्रष्टाचार का पर्दाफाश करता। मैं अपने पारंपरिक सफेद-काले रंग-रूप को त्यागकर, रंग-बिरंगा आकर्षक बन जाता। अपने चुटकलों से लोगों को गुदगुदाता। सभी आयु वर्ग के लिए उपयोगी होता। लोगों को शिक्षा, तकनीकी, रोजगार, विवाह, जमीन-जायदाद आदि अनेक प्रकार की जानकारी उपलब्ध कराता। इस प्रकार में लोगों को केवल खबर ही देने का जरिया नहीं उनके ज्ञानवर्धन, मनोरंजन का साधन भी बनता। मैं लोगों में जन-चेतना फैलाता। उनकी समस्याओं को प्रशासन तक पहुँचाने में सहायक होता। मेरी हमेशा यही इच्छा रहती कि सम्पादक किसी दबाब में आकर खबरों के साथ छेड़छाड़ न करें तथा न ही किसी के साथ पक्षपात करें वरन् सचाई को जनता के सामने लाएं। इस तरह मैं स्वयं को सार्थकता प्रदान करता।
सीख- प्रत्येक व्यक्ति के लिए समाचार पत्र पढ़ना लाभदायक होता है।

SATISH SCIENCE ACADEMY